Testwale Current Affairs PDF

Current Affairs search results for tag: important-days

1. विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस - 24 मार्च (March 26, 2024)

विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस 24 मार्च को मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है।

खबर का अवलोकन

- टीबी एक संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करता है, जो माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया के कारण होता है।
- जब संक्रमित व्यक्ति खांसता है, छींकता है या थूकता है तो हवा के माध्यम से संचरण होता है।
- 6 से 12 महीने की अवधि के लिए जीवाणुरोधी दवाओं के एक आहार के साथ टीबी की रोकथाम और इलाज संभव है।
- अनुपचारित टीबी के घातक परिणाम हो सकते हैं, जो शीघ्र पता लगाने और उचित उपचार के महत्व को रेखांकित करता है।

विश्व क्षय रोग दिवस का विषय

- विश्व क्षय रोग दिवस 2024 का विषय "**हां! हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं**" है।
- यह विषय जागरूकता और कार्रवाई के माध्यम से बीमारी को खत्म करने के वैश्विक प्रयासों पर जोर देता है।

विश्व क्षय रोग दिवस का इतिहास

- प्रतिवर्ष 24 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व टीबी दिवस, **1882 में डॉ. रॉबर्ट कोच** द्वारा टीबी पैदा करने वाले बैक्टीरिया की खोज की याद में मनाया जाता है।
- कोच की खोज की शताब्दी पर **1982 में तपेदिक और फेफड़ों की बीमारी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईयूएटीएलडी)** द्वारा प्रस्तावित, यह 1983 में पालन का आधिकारिक दिन बन गया।
- इस दिन का उद्देश्य विश्व स्तर पर तपेदिक के बारे में जागरूकता बढ़ाना और रोकथाम, उपचार और अनुसंधान प्रयासों की वकालत करना है।

2. विश्व मौसम विज्ञान दिवस - 23 मार्च (March 23, 2024)

विश्व मौसम विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष 23 मार्च को मनाया जाता है।

खबर का अवलोकन

- यह दिन 1950 में विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की स्थापना की याद दिलाता है।

- **WMO संयुक्त राष्ट्र के भीतर एक विशेष एजेंसी के रूप में कार्य** करता है

विश्व मौसम विज्ञान दिवस का विषय

- विश्व मौसम विज्ञान दिवस 2024 का विषय **"जलवायु कार्रवाई की सीमा पर"** है।
- यह **जलवायु परिवर्तन और इसके संभावित गंभीर प्रभावों को संबोधित करने** की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर बल देता है।

विश्व मौसम विज्ञान दिवस का इतिहास

- विश्व मौसम विज्ञान दिवस **23 मार्च, 1950 को विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ)** की स्थापना से शुरू हुई।
- WMO को मौसम के मिजाज का पूर्वानुमान लगाने और जलवायु परिवर्तन की भविष्यवाणी करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ बनाया गया था।
- अपनी स्थापना के एक साल बाद, WMO ने अपनी स्थापना का जश्न मनाने और मौसम और जलवायु पूर्वानुमान के महत्व की समझ को बढ़ावा देने के लिए विश्व मौसम विज्ञान दिवस की शुरुआत की।

3. विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस - 21 मार्च 2024 (March 22, 2024)

विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस प्रतिवर्ष 21 मार्च को मनाया जाता है।

खबर का अवलोकन

- डाउन सिंड्रोम एक ऐसी स्थिति है जो किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य के शारीरिक और मानसिक दोनों पहलुओं को प्रभावित करती है, जिससे संचार और सामाजिक संपर्क में चुनौतियाँ पैदा होती हैं।
- यह स्थिति एक अतिरिक्त गुणसूत्र से उत्पन्न होती है, जो शरीर और मस्तिष्क दोनों के विकास को प्रभावित करता है।
- डाउन सिंड्रोम के सामान्य संकेतों में चेहरे की विशिष्ट विशेषताएं, बौद्धिक विकलांगता और विकास में देरी शामिल हैं।
- उपचार के तरीकों में स्पीच थेरेपी, शारीरिक गतिविधियाँ और अनुरूप शिक्षा कार्यक्रम शामिल हैं।
- डाउन सिंड्रोम वाले व्यक्तियों की औसत जीवन प्रत्याशा लगभग 60 वर्ष है।

विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस का विषय

- इस वर्ष के विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस की थीम **"रूढ़िवादिता समाप्त करें"** है इसका उद्देश्य **रूढ़िवादिता का मुकाबला करना है।**

- डाउन सिंड्रोम वाले लोगों के लिए रूढ़िवादिता को तोड़ने और अधिक समावेशी और समझदार वातावरण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

- यह पहल पूर्वकल्पित धारणाओं के आधार पर उन्हें सीमित करने के बजाय डाउन सिंड्रोम वाले व्यक्तियों की क्षमताओं और क्षमता को पहचानने की दिशा में कदम को स्थानांतरित करने का प्रयास करती है।

विश्व डाउन सिंड्रोम का इतिहास

- विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस की स्थापना 2012 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 मार्च को मनाए जाने के लिए की गई थी, जो डाउन सिंड्रोम से जुड़े 21वें गुणसूत्र का प्रतिनिधित्व करता है।

- वैश्विक स्तर पर, हर साल लगभग 3,000 से 5,000 बच्चे डाउन सिंड्रोम के साथ पैदा होते हैं, जिसमें 1,000 में से 1 से लेकर 1,100 जीवित जन्मों में से एक की घटना होती है।

- डाउन सिंड्रोम वाले व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए नियमित जांच और चिकित्सा और परामर्श जैसे हस्तक्षेपों के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को संबोधित करना शामिल है।

- डाउन सिंड्रोम वाले व्यक्तियों को उनकी क्षमता को पूरा करने और समाज में एकीकृत करने में सक्षम बनाने के लिए माता-पिता, चिकित्सा पेशेवरों और समावेशी शिक्षा सहित समुदाय-आधारित प्रणालियों का समर्थन आवश्यक है।

4. विश्व जल दिवस - 22 मार्च (March 22, 2024)

ताजे पानी के संसाधनों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, 1993 से प्रतिवर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है।

खबर का अवलोकन

- वैश्विक स्तर पर लगभग 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित पानी तक पहुंच नहीं है, जो वैश्विक जल संकट से निपटने की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है।

- संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र में दुनिया भर में प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता सबसे कम है, 2050 तक भूजल के उपयोग में 30% की वृद्धि का अनुमान है।

- लगभग 40% सिंचाई जल जलभृतों से प्राप्त होता है, जो कृषि स्थिरता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

विश्व जल दिवस का विषय:

- विश्व जल दिवस 2024 की थीम '**शांति के लिए जल**' है।

- 2024 के लिए संयुक्त राष्ट्र की विश्व जल विकास रिपोर्ट (डब्ल्यूडब्ल्यूडीआर), जो इस विषय पर प्रकाश डालती है, आज जारी होने वाली है।

- हर साल बदलाव के बावजूद, विश्व जल दिवस का केंद्रीय ध्यान सतत विकास लक्ष्य 6 के उद्देश्यों के अनुरूप, स्वच्छ पानी, स्वच्छता और स्वच्छता (डब्ल्यूएएसएच) से संबंधित मुद्दों पर रहता है।

विश्व जल दिवस का इतिहास:

- विश्व जल दिवस की अवधारणा 1992 में रियो डी जनेरियो में आयोजित पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान उत्पन्न हुआ था।

- इस प्रस्ताव के बाद, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने उस वर्ष बाद में आधिकारिक तौर पर 22 मार्च को विश्व जल दिवस के रूप में नामित किया।

- विश्व जल दिवस जल संरक्षण और संरक्षण के महत्व पर जोर देने के लिए समर्पित है।

- यह दिन वैश्विक जल संकट से निपटने के समाधान की वकालत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

5. नस्लीय भेदभाव उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस - 21 मार्च (March 21, 2024)

नस्लीय भेदभाव उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस प्रतिवर्ष 21 मार्च को मनाया जाता है।

खबर का अवलोकन

- 2024 में नस्लीय भेदभाव उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस का विषय है "मान्यता, न्याय और विकास का एक दशक: अफ्रीकी मूल के लोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दशक का कार्यान्वयन।"

- 2024 की थीम अफ्रीकी मूल के लोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दशक (2015-2024) के साथ संरेखित है, जो वैश्विक स्तर पर अफ्रीकी मूल के व्यक्तियों के मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने की आवश्यकता को पहचानती है।

- अफ्रीकी मूल के लगभग 200 मिलियन लोग अमेरिका में रहते हैं, लाखों लोग दुनिया भर के अन्य क्षेत्रों में रहते हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- यह अनुष्ठान 21 मार्च, 1960 की दुखद घटनाओं से उत्पन्न हुआ है, जब दक्षिण अफ्रीका के शार्पविले में पुलिस ने रंगभेद "पास कानूनों" के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान 69 व्यक्तियों को गोली मार दी थी।

- 1979 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नस्लवाद और नस्लीय भेदभाव से निपटने के लिए एक कार्यक्रम अपनाया, जिसमें नस्लवाद के खिलाफ

लड़ने वालों के साथ एकजुटता का एक सप्ताह शुरू किया गया, जो हर साल 21 मार्च से शुरू होता है।

अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढाँचा:

- नस्लीय भेदभाव के उन्मूलन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सार्वभौमिक अनुसमर्थन के निकट, नस्लवाद से निपटने के लिए एक वैश्विक तंत्र के रूप में कार्य करता है। हालाँकि, दुनिया भर में नस्लीय भेदभाव को मिटाने के लिए अतिरिक्त प्रयास आवश्यक हैं।

6. विश्व वानिकी दिवस - 21 मार्च (March 21, 2024)

वनों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके संरक्षण और टिकाऊ प्रबंधन के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस मनाया जाता है।

खबर का अवलोकन

- 2024 में विश्व वानिकी दिवस का विषय **"वन और नवाचार: एक बेहतर दुनिया के लिए नए समाधान"** है, जो वन संरक्षण में नवाचार और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर देता है।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व स्तर पर वनों के महत्व को उजागर करने के लिए 2012 में विश्व वानिकी दिवस की स्थापना की।

वनों के महत्वपूर्ण कार्य:

- वन विभिन्न आवश्यक कार्य करते हैं:
  - मृदा स्थिरीकरण, जल प्रतिधारण और पर्यावरण संतुलन।
  - ऑक्सीजन, औषधीय संसाधनों और जैव विविधता संरक्षण का प्रावधान।

वनों का महत्व:

- वन इनके लिए महत्वपूर्ण हैं:
  - कार्बन सिंक के रूप में जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करना।
  - जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य का संरक्षण।
  - स्वच्छ हवा, पानी उपलब्ध कराना और वैश्विक स्तर पर आजीविका का समर्थन करना।

उत्सव मनाना और कार्रवाई करना:

- भाग लेने और योगदान देने के तरीकों में शामिल हैं:
  - वन संरक्षण संगठनों का समर्थन करना।
  - कागज और लकड़ी के उत्पादों की खपत कम करना।

  - वृक्षारोपण गतिविधियों में संलग्न होना।
  - वनों के महत्व और खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना।

7. 20 मार्च: अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस (March 20, 2024)

प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस, वैश्विक खुशी और कल्याण को बढ़ावा देने पर जोर देता है।

खबर का अवलोकन

- 2024 में अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस की थीम है "**खुशी के लिए पुनः जुड़ना: लचीले समुदायों का निर्माण,**" खुशी का जश्न मनाने के लिए सभी की भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस का इतिहास

- भूटान के एक प्रस्ताव के आधार पर, **संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने 2012 में 20 मार्च** को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के रूप में घोषित किया।

- राष्ट्रीय आय पर राष्ट्रीय खुशी को प्राथमिकता देने की भूटान की वकालत **1970 के दशक** की शुरुआत से चली आ रही है, जिसमें सकल राष्ट्रीय खुशी के महत्व पर जोर दिया गया है।

- भूटान ने **संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए)** के **66वें सत्र** के दौरान "**खुशी और कल्याण: एक नए आर्थिक प्रतिमान को परिभाषित करना**" पर एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक बुलाई।

- पहला अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस **2013** में मनाया गया था, जो तब से एक वार्षिक परंपरा है।

अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस का महत्व

- यह दिन एक सार्वभौमिक अधिकार के रूप में खुशी की याद दिलाता है, जिसका उद्देश्य व्यक्तियों के बीच खुशी और सकारात्मकता फैलाना है।

- यह हर किसी को दयालुता के छोटे कार्य शुरू करके और कल्याण को बढ़ावा देकर खुशी में योगदान करने का अवसर प्रदान करता है।

- संयुक्त राष्ट्र महासभा एक आर्थिक विकास दृष्टिकोण की वकालत करती है जो समावेशिता, समानता और संतुलन को प्राथमिकता देती है, जिसका लक्ष्य सभी व्यक्तियों की खुशी और कल्याण को बढ़ाना है।

8. विश्व गौरैया दिवस - 20 मार्च (March 20, 2024)

विश्व गौरैया दिवस प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है।

खबर का अवलोकन

- विश्व गौरैया दिवस का उद्देश्य आम घरेलू गौरैया की घटती आबादी के बारे में दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाना है।

उत्पत्ति और प्रभाव:

- विश्व गौरैया दिवस की शुरुआत भारत में **नेचर फॉरएवर सोसाइटी (एनएफएस)** और **फ्रांस में इको-सिस एक्शन फाउंडेशन** के बीच सहयोग से हुई।

- विश्व गौरैया दिवस का **उद्घाटन 2010** में हुआ था, जिसे घरेलू गौरैया की खतरनाक गिरावट की ओर ध्यान आकर्षित करने और ठोस संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किया गया था।

- एनएफएस के संस्थापक **मोहम्मद दिलावर** 1960 के दशक के दौरान भारत के राजस्थान से शुरू हुए '**गौरैया बचाओ**' अभियान से प्रेरित थे।

- दिलावर का लक्ष्य इस स्थानीय अभियान को गौरैया संरक्षण के लिए एक वैश्विक आंदोलन में बदलना था।

- एनएफएस वेबसाइट ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करती है, जो 25 से अधिक देशों की गौरैया प्रजातियों के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

9. विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस - 10 अक्टूबर (Oct. 10, 2023)

मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक बदलावों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।

खबर का अवलोकन

- 2023 के विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का विषय "**मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है**"।

- इस दिवस का लक्ष्य **जागरूकता बढ़ाना और मौलिक मानव अधिकार के रूप में सभी के मानसिक कल्याण की रक्षा के लिए कार्रवाई करना है।**

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का इतिहास

- 1992 में, वर्ल्ड फाउंडेशन फॉर मेंटल हेल्थ का नेतृत्व करने वाले रिचर्ड हंटर ने 10 अक्टूबर को "विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस" के रूप में समर्पित करने का विचार प्रस्तावित किया।

- पहला विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 1994 में मनाया गया था और इसका विषय "**दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार**" पर केंद्रित था।

10. विश्व डाक दिवस - 9 अक्टूबर (Oct. 9, 2023)

विश्व डाक दिवस प्रतिवर्ष 9 अक्टूबर को मनाया जाता है।

खबर का अवलोकन

- विश्व डाक दिवस संयुक्त राष्ट्र एजेंसी, यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) की स्थापना का जश्न मनाता है।
- यूपीयू की स्थापना 9 अक्टूबर, 1884 को बर्न, स्विट्जरलैंड में हुई थी।
- विश्व डाक दिवस मनाने की परंपरा 1969 में जापान के टोक्यो में यूपीयू कांग्रेस के दौरान शुरू हुई।

विश्व डाक दिवस 2023 की थीम:

- विश्व डाक दिवस 2023 की थीम 'विश्वास के लिए एक साथ: एक सुरक्षित और जुड़े भविष्य के लिए सहयोग' है।
- यह थीम डिजिटल अर्थव्यवस्था के लक्ष्यों को प्राप्त करने में डाकघरों की भूमिका पर जोर देती है।

भारत में पहला डाक टिकट:

- भारत का पहला डाक टिकट 21 नवंबर 1947 को जारी किया गया था, जिस पर 'जय हिंद' और 'भारत' लिखा था।
- इस स्टांप का मूल्य साढ़े तीन आने या 14 पैसे था और इसका उपयोग घरेलू मेल के लिए किया जाता था।
- महात्मा गांधी को अपने नाम पर डाक टिकट जारी करने वाले पहले भारतीय होने का गौरव प्राप्त था।
- सचिन तेंदुलकर भारत के पहले जीवित व्यक्ति बने जिनके नाम पर डाक टिकट जारी हुआ।

भारतीय डाक का इतिहास:

- भारतीय डाक व्यवस्था की शुरुआत आज से 257 साल पहले 1766 में हुई थी।
- 1774 में वॉरेन हेस्टिंग्स ने कोलकाता में पहला डाकघर स्थापित किया।
- भारत में डाक टिकटों की शुरुआत 1852 में हुई थी।
- 1 अक्टूबर, 1854 को महारानी विक्टोरिया की तस्वीर वाले एक डाक टिकट ने भारत में डाक विभाग की स्थापना को चिह्नित किया।
- भारत का डाक नेटवर्क व्यापक है, जिसमें 89.87% डाकघर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं।

भारत में उल्लेखनीय स्टाम्प:

- 20 अगस्त 1991 को, भारत ने अपना सबसे बड़ा डाक टिकट जारी किया, जिस पर पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की तस्वीर थी।

यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू):

- यूपीयू संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
- स्थापना: 9 अक्टूबर, 1884.
- मुख्यालय: बर्न, स्विट्जरलैंड.
- वर्तमान प्रमुख: मासाहिको मेटोकी।
- यूपीयू संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक परिषद के तहत काम करता है।